



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 8, 1990 (अग्रहायण 17, 1912)  
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 8, 1990 (AGRAHAYANA 17, 1912)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों, संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	763	भाग II—खण्ड—3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक निगमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की (उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1359	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	9	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियतक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1163
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1841	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	1363
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	3897
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—वीर-सरकारी धूम्रपान और गैर-सरकारी, निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	177
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियों आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला अनुपूरक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

\*आंकड़े प्राप्त नहीं।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	763	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1359	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	9	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1163
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1841	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1363
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	3897
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private individuals and Private Bodies	177
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

**राष्ट्रपति सचिवालय**

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1990

सं० 96-प्रेक्ष 90—राष्ट्रपति असम पुलिस के निर्मांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दीलत सिंह नेगी  
पुलिस अधीक्षक,  
डिब्रूगढ़, असम। (मरणोपरांत)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

29 जुलाई, 1990 को श्री दीलत सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक, डिब्रूगढ़ जिले के रोमारिया, लाहोवाल बाबुआ, कन्धीखोआ और तांगाखाट में उल्का के उग्रवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना प्राप्त हुई। श्री दीलत सिंह नेगी अपने वैयक्तिक सुरक्षा अधिकारी हवलदार जोयराम दास और ड्राईवर (नायक) निर्मल नियोग के साथ इन क्षेत्रों में पुलिस चैक-पोस्टों का वैयक्तिक रूप से निरीक्षण करने के लिए तत्काल गए। रास्ते में श्री नेगी ने रोमारिया के नजदीक एक उल्का उग्रवादी को पकड़ा और उस उग्रवादी को कार में ले गए। डिब्रूगढ़ को वापिस लौटते समय, महान-बारी और लोहोवाल के बीच एक स्थान पर उल्का उग्रवादी ने कार से भागने के प्रयत्न में श्री नेगी के साथ अचानक हाथापाई शुरू कर दी। कार के अन्दर उल्का उग्रवादी और श्री नेगी, जिसने उग्रवादी को कार से भागने नहीं दिया, के बीच जोर-बार संघर्ष हुआ। जब कार के अन्दर श्री नेगी और उल्का उग्रवादी के बीच संघर्ष हो रहा था तो एक वाहन में जा रहे उल्का उग्रवादियों, जो स्वचालित हथियार ले जा रहे थे, ने लाहोवाल पेट्रोल पम्प के नजदीक पीछे से कार पर हमला किया। जब हमलावर कार पर लगातार गोली चला रहे थे, तो श्री नेगी और हवलदार जोय राम दास ने उल्का उग्रवादी को कार के अन्दर दबोचे हुए गोलियों का जवाब दिया। ड्राईवर निर्मल नियोग ने कार को हमलावरों की गोलियों के दायरे से बाहर ले जाने की कोशिश की, लेकिन उस पर अनेक गोलियां लगीं और परिणामस्वरूप वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए, हमलावरों ने ब्लैक रेंज से श्री नेगी, ड्राईवर निर्मल नियोग और हवलदार जोय राम दास पर गोलियां चलायी और वे तीनों घटना स्थल पर ही मारे गए।

इस मुठभेड़ में श्री दीलत सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 29 जुलाई, 1990 से दिया जाएगा।

सं० 97-प्रेक्ष 90—राष्ट्रपति असम पुलिस के निर्मांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जोय राम दास,  
हवलदार (पी० एस० ओ०)  
द्वितीय ए० पी० बटालियन  
मुकुम, असम। (मरणोपरांत)

श्री निर्मल नियोग,  
ड्राईवर नायक 415,  
बी० ई० एफ डिब्रूगढ़,  
असम। (मरणोपरांत)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

29 जुलाई, 1990 को श्री दीलत सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक, डिब्रूगढ़ जिले के रोमारिया, लाहोवाल बाबुआ, कन्धीखोआ और तांगाखाट में उल्का के उग्रवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना प्राप्त हुई। श्री दीलत सिंह नेगी अपने वैयक्तिक सुरक्षा अधिकारी हवलदार जोयराम दास और ड्राईवर (नायक) निर्मल नियोग के साथ इन क्षेत्रों में पुलिस चैक-पोस्टों का वैयक्तिक रूप से निरीक्षण करने के लिए तत्काल गए। रास्ते में श्री नेगी ने रोमारिया के नजदीक एक उल्का उग्रवादी को पकड़ा और उस उग्रवादी को कार में ले गए। डिब्रूगढ़ को वापिस लौटते समय, महानबारी और लोहोवाल के बीच एक स्थान पर उल्का उग्रवादी ने कार से भागने के प्रयत्न में श्री नेगी के साथ अचानक हाथापाई शुरू कर दी। कार के अन्दर उल्का उग्रवादी और श्री नेगी, जिसने उग्रवादी को कार से भागने नहीं दिया, के बीच जोर-बार संघर्ष हुआ। जब कार के अन्दर श्री नेगी और उल्का उग्रवादी के बीच संघर्ष हो रहा था तो एक वाहन में जा रहे उल्का उग्रवादियों, जो स्वचालित हथियार ले जा रहे थे, ने लाहोवाल पेट्रोल पम्प के नजदीक पीछे से कार पर हमला किया। जब हमलावर कार पर लगातार गोली चला रहे थे, तो श्री नेगी और हवलदार जोय राम दास ने उल्का उग्रवादी को कार के अन्दर दबोचे हुए गोलियों का जवाब दिया। ड्राईवर निर्मल नियोग ने कार को हमलावरों की गोलियों के दायरे से बाहर ले जाने की कोशिश की, लेकिन उस पर अनेक गोलियां लगीं और परिणामस्वरूप वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। इस बात का फायदा उठाते हुए, हमलावरों ने ब्लैक रेंज से श्री नेगी, ड्राईवर निर्मल नियोग और हवलदार जोय राम दास पर गोलियां चलायी और वे तीनों व्यक्ति घटनास्थल पर ही मारे गए।

इस मुठभेड़ में श्री जोय राम दास, हवलदार और श्री निर्मल नियोग, ड्राईवर नायक 415, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

ये पक्क पुलिस पक्क नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 29 जुलाई, 1990 से दिया जाएगा।

ए० के० उपाध्याय  
निदेशक

### योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1990

संकल्प

सं० एम-13043/12/(X)/87-कृषि—रेमा निर्णय लिया गया है कि डा० एच० जी० शंकरभूषि, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, कृषि विपणन एवं सहकारिता प्रभाग कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक को तत्काल प्रभाव से भारत सरकार, योजना आयोग के दिनांक 3-6-88 के संकल्प संख्या एम-1343/12/87-कृषि, के तहत गठित दक्षिणी पठार तथा पर्वतीय प्रदेश हेतु कृषि जलवायु संबंधी कटिबंध आयोजना दल के सदस्य सचिव डा० सी० अरुणराज, उप निदेशक, कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र मद्रास बिपाक, ट्रिप्लीकेन, मद्रास 600 005 के स्थान पर संबंधित सचिव होंगे।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति आयोजना दल के अध्यक्ष और सदस्यों, भारत सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों और राज्य सरकार के विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

आई० एस० आहलूवालिया  
निदेशक (प्रशासन)

### विधि और न्याय मंत्रालय

विधायी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1990

संकल्प

सं० एफ० 4(2)/188-रा० भा०—भारत सरकार ने, विधि और न्याय मंत्रालय के तारीख 8 सितम्बर, 1989 और 18 जून, 1990 के संकल्प सं० 4(2)/88-रा० भा० के क्रम में, यह विनिश्चय किया है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम विधि और न्याय मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों के रूप में सम्मिलित कर लिए जाएं।

1. श्रीमती सुषमा स्वराज, सदस्य, राज्य सभा
2. श्री राम प्रसाद चौधरी, सदस्य, लोक सभा

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को भेज दी जाए —

प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, निदेशक, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली और भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वी० एल० मथुरिया  
संयुक्त सचिव

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1990

आदेश

विषय : तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को सौराष्ट्र के समुद्रीय क्षेत्र के 3170 वर्ग किलोमीटर के विस्तारण-I के क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति।

सं० ओ-12012/4/90-ओएन जीबी—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग के 1959 नियम 5 के उपनियम (1) धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग तेल भवन वेहराडून (जिसे इसमें इसके बाद आयोग कहा गया है) सौराष्ट्र तट के समुद्रीय क्षेत्र के 3170 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना के लिए एक पेट्रोलियम अन्वेषण के लिए इस आदेश के निर्गत होने की तिथि से चार वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति देती है जिसके विवरण संलग्न अनुसूची 'क' में दिए गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है —

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण गवारे के साथ इसकी सूचना केंद्र सरकार को देगा।

(ग) राजस्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जाएगी :

( ) समस्त अशोधित तेल तथा केमिंग हूड कंटेनेर पर 192 रु प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(i) प्राकृतिक गैस के मामले में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों के अनुसार होंगी।

राजस्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों के पिछले माह में प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हूब कंटेनमेंट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उस का कुल उचित मूल्य बरताने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिये गये प्रपत्र में भरकर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000 रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी भाग के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जाएगी :—

(1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए	8/- रुपये
(2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिये	40/- रुपये
(3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए	200/- रुपये
(4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए	400/- रुपये
(5) लाइसेंस के तवीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए	600/- रुपये

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम 1959 के नियम II के उप नियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतन्त्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार की मांग किये जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषणों के दौरान पाए गए समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भूवैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट, गुप्त रूप से देकर तथा हर 6 महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिवर्तनों, बंधन तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की तलछटी और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(झ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम तथा विकास) अधिनियम 1948 (1948 का 53) और पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम 1959 के उपबंध लागू होंगे।

(ड) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर बस्तावेज भरकर देगा जो समुद्रीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ड) आयोग खुदाई/अन्वेषण आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बायोमिट्रिक सतही नमूने, घारा और चुम्बकीय आंकड़े तथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ढ) आयोग समुद्री विज्ञान आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

(ढ) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किए जाते हैं।

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण शुरू करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनिधित्व में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयारी से की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची "क"

सौराष्ट्र के समुद्रीय क्षेत्र के विस्तारण-I के 3170 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक निर्देशांक।

पाईट	देशान्तर			अक्षांश		
जी	20"	19"	00"	70°	15"	00"
बी	20"	19"	00"	70°	40"	00"
सी	19"	40"	00"	70°	40"	00"
डी	19"	40"	00"	70°	15"	00"

## अनुसूची "ख"

अशोधित तेल, केसिंग हेड कम्बेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

## (क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ख) केसिंग हेड कम्बेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं श्री ..... सत्यनिष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण और सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर .....

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर

मैलिन साठिन  
ईएक अधिकारी

## इस्पात और खान मंत्रालय

## खान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1990

सं० ई-11017/3/90-हिन्दी(०) — स्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) के दिनांक 31-10-1988 और 17-11-88 के संकल्प, ई-11017/5/88-हिन्दी, में आंशिक संशोधन करते हुए श्री रघुनन्दन तिवारी को खान विभाग को हिन्दी भ्रष्टाचार समिति का तदर्थ गैर-सरकारी सदस्य मनोनीत किया जाता है।

एम० एल० मजूमदार  
संयुक्त सचिव

## मानव संसाधन विकास मंत्रालय

## (शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1990

## संकल्प

विषय :—राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् की स्थापना करना।

सं० एफ० 7-10/85 बी० पी०-II—मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार ने देश की संपूर्ण आवश्यकताओं के संदर्भ में पुस्तक उद्योग के विकास के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने के वास्ते 1967 में एक राष्ट्रीय पुस्तक विकास बोर्ड की स्थापना की थी। बाद में, इस बोर्ड को 1970 में पुनर्गठित किया गया था और इसने फरवरी 1974 तक कार्य किया। राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् नामक एक नया निकाय 15 सितम्बर, 1983 को स्थापित किया गया था और इसने 30 सितम्बर, 1986 तक कार्य किया।

2. अब भारत सरकार ने राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् को पुनर्जीवित करने का निर्णय किया जिसका निम्न प्रकार से गठन और कार्य होंगे।

## 3. परिषद् के कार्य

राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् के निम्न कार्य होंगे :—

(i) देश में पुस्तक प्रकाशन की प्रगति की समीक्षा करना और निम्नलिखित के संबंध में सरकार को सलाह देना :—

(क) पुस्तकों के निर्यात सहित पुस्तक, उद्योग और व्यापार के विकास के लिये उपाय;

(ख) शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित अच्छी कोटि की विशेष प्रयोजन वाली पुस्तकों (आप्रेशन ब्लैकबोर्ड तथा गैर-औपचारिक शिक्षा केन्द्रों के अन्तर्गत अपेक्षित बाल पुस्तकों, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के लिए पुस्तकों, और माध्यमिक तथा विश्वविद्यालय स्तर की पुस्तकों आदि सहित) की विशेष रूप से उपलब्धता को बढ़ाने के उपाय।

(ग) पुस्तक निर्माण की कोटि सुधारने और संबंध कौशलों के प्रसार के उपाय।

(ii) विशेष रूप से भारतीय भाषाओं में लेखकों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से लेखकों के हितों की रक्षा करने संबंधी उपायों के संबंध में सरकार को सलाह देना।

(iii) इसको सरकार द्वारा सर्वोपलब्ध मामलों पर अथवा ऐसे अन्य कार्य करने के लिए (केन्द्रीय) सरकार को सलाह देना।

## 4. परिषद् का मुख्यालय और सचिवालय

परिषद् का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और इसका सचिवालय पुस्तक प्रोमोति और कापीराइट प्रभाग, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।

## 5. परिषद् का गठन

राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् का निम्न प्रकार गठन होगा :—

- (1) अध्यक्ष: मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा के प्रभारी राज्य मंत्री।
- (2) उपाध्यक्ष: अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (अधिकारी पवन)
- (3) शिक्षा सचिव
- (4) सचिव औद्योगिक विकास विभाग (अथवा उसका पदनामित व्यक्ति, जो संयुक्त सचिव के स्तर से कम का न हो।)
- (5) वाणिज्य सचिव (अथवा उसका पदनामित व्यक्ति जो संयुक्त सचिव के स्तर से कम का न हो।)
- (6) सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
- (7) अध्यक्ष, साहित्य अकादमी
- (8) अपर सचिव, शिक्षा विभाग
- (9) निदेशक, रा० गै० अ० प्र० प०

## प्रकाशक संघ (पांच)

- (10) अध्यक्ष, भारतीय प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता संघ परिसंघ
- (11) अध्यक्ष, भारतीय प्रकाशक संघ
- (12) अध्यक्ष, शैक्षिक प्रकाशक परिसंघ
- (13) अध्यक्ष, पुस्तक पेंशन, केपेक्सिल
- (14) अध्यक्ष, अखिल भारतीय हिन्दी प्रकाशक संघ

## प्रकाशक (छः)

- (15) सुखी रीतू मेनन, महिलाओं के लिए काली ए-38 गुलमोहर पाक, नई दिल्ली-110049 (एक नवीन महिला प्रकाशक)

- (16) श्री ताजेश्वर सिंह, प्रबन्ध निदेशक, सेज पब्लिकेशन इंडिया प्रा० लि० (धरेंजी)

- (17) श्री सेमयुअल इजराइल, 9 बैंड स्टैंड अपार्टमेंट्स, 212 बाई राम जी तेजा भाई रोड, बान्बरा, बम्बई

- (18) श्री पी० पी० सी० जोशी, महा प्रबन्धक, जन प्रकाशन सदन

- (19-20) बाद में नामित होने वाले दो और प्रकाशक स्वीडिष्ठ एजेंसियां (तीन)

- (21) श्री कृष्ण कुमार, केरल शास्त्र साहित्य परिषद् बनारस रोड, सिकेन्धम

- (22) श्री जितेन्द्र देसाई, महा प्रबन्धक, नवजीवन न्यास डाकखाना नवजीवन, अहमदाबाद

- (23) बाद में नामित होने वाली स्वीडिष्ठ एजेंसियों का एक और प्रतिनिधि, जो बाद में नामित किया जाएगा।

## लेखक (पांच)

- (24) महा सचिव, भारत लेखक संघ

- (25) महा सचिव, उग्रतिथी लेखकों का राष्ट्रीय संघ

- (26) श्री के० एस० दुग्गल, पी-7 होज खास, नई दिल्ली-16 (पंजाबी)

- (27) श्री जली सरदार जाफरी, 10 सीता महल, बीमन जी पेसिड रोड, बम्बई-36 (उर्दू)

(28) बाब में नामित किया जानेवाला एक और लेखक पुस्तकालय

(29) अध्यक्ष, भारतीय पुस्तकालय संघ।

(30) निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय कलकत्ता सदस्य-सचिव

(31) संयुक्त सचिव (पुस्तक प्रोन्नति) शिक्षा विभाग।

#### 8. सदस्यों की अवधि

राष्ट्रीय पुस्तक विकास परिषद् की अवधि 3 वर्ष की होगी। अध्यक्ष और परिषद्-परिषद् के प्रत्येक सदस्य, इसके अलावा पदेन सदस्यों की अवधि सामान्य रूप से 3 वर्ष की होगी बशर्ते अल्प और दीर्घ अवधि दर्शायी जाए, परन्तु वह पुनः नियुक्ति के लिए पात्र होगा। यदि परिषद् का कोई सदस्य अपने पद या नियुक्ति के कारण सदस्य बनाता है तो परिषद् में उसकी सदस्यता तब समाप्त हो जाएगी जब वह उस पद अथवा नियुक्ति पर नहीं रहेगा। सदस्यों की सभी आकस्मिक रिक्तियाँ (पदेन सदस्यों के अलावा) उस प्रधिकारी अथवा विकासनिकाय द्वारा भरी जाएंगी, जिन्होंने उस सदस्य को नामित किया है, जिसका स्थान रिक्त हुआ है। आकस्मिक रिक्त स्थान पर नियुक्त किया गया व्यक्ति उस शेष अवधि तक के लिए परिषद् का सदस्य होगा जिस अवधि के लिए वह सदस्य, जिसका स्थान खरा जा रहा है, सदस्य होता है।

#### 7. बैठकें व उप-समितियाँ

परिषद् की बैठक कम से कम वर्ष में एक बार होगी। परिषद् विशिष्ट प्रयोजनों के लिए समितियाँ पैनल स्थापित कर सकती है, जिनकी बैठकें आवश्यकता अनुसार समय समय पर होती रहेंगी।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और उनके विभागों, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, संसदीय कार्य विभाग लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र में सूचनायें प्रकाशित किया जाए।

आर० एन० तिवारी  
निदेशक (पु० प्री०)

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 90

#### संकल्प

सं० 15/12/88-आई० पी० एच एम० सी० सी०आई० एस०—भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के निष्पादन की सुग्रीक्षा के लिए, प्रो० एम० एन० धीनिवासन की अध्यक्षता में समिति का गठन करने के बारे में इस मंत्रालय के दिनांक 28 फरवरी, 1989 के समसंख्यक संकल्प के अनुक्रम में सरकार समिति का कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1990 तक बढ़ाती है।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति अध्यक्ष/समिति के सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों विभागों, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व लेखा निदेशालय, नई दिल्ली को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

इमत्याज अहमद खान  
संयुक्त सचिव

#### पर्यटन मंत्रालय

#### “परिवहन भवन”

नई दिल्ली-1 दिनांक 13-9-1990

#### संकल्प

सं० ई०-11016(11)/89-हिन्दी-पर्यटन मंत्रालय के दिनांक 30-5-1990 के समसंख्यक संकल्प के क्रम सं० 9 पर उल्लिखित गैर-सरकारी सदस्य श्री सुरेश प्रताप सिंह का पता निम्नलिखित दिया गया था :—

149, बैशासी, पीतमपुरा,  
नई दिल्ली।

उपर लिखे पते के स्थान पर संशोधित पता नीचे दिया गया है :—

कार्यकारी सम्पादक  
नवभारत टाइम्स, टाइम्स हाउस,  
7, बहादुरशाह जफर मार्ग,  
नई दिल्ली-110002

2. निम्नलिखित महानुभाव को पर्यटन मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाता है :—

डा० सुरेश नाथ सिंह,  
149, बैशासी, पीतमपुरा,  
नई दिल्ली।

3. इसके अलावा, उपर्युक्त संकल्प द्वारा गठित हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्यों में निम्नानुसार परिवर्तन किया जाता है :—

श्री जे० पी० जवलि, संसद सदस्य (राज्य सभा), जिन्होंने समिति की सदस्यता से स्थगन-पत्र दे दिया है, के स्थान पर

श्री विनेश शिवेदी, संसद सदस्य (राज्य सभा) समिति के सदस्य होंगे।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्र प्रशासकों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, मंचदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बसन्त कुमार गोस्वामी  
(महानिदेशक पर्यटन) एवं  
पदेन अपर सचिव,



## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 20th November 1990

No 96-Pres/90—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the under mentioned Officer of the Assam Police

*Name and rank of the Officer*

Shri Daulat Singh Negi (Posthumous)  
Superintendent of Police,  
Dibrugarh,  
Assam

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 29th July, 1990 Shri Daulat Singh Negi, Superintendent of Police, Dibrugarh, received information regarding movement of an active member of ULFA in Rowmaria, Lahowal, Chabua, Kanjikhowa and Tangakhat of Dibrugarh Distt. Shri Daulat Singh Negi accompanied by his personal Security Officer Havildar Joy Ram Das and Driver Naik) Nirmal Neog immediately left to personally supervise the Police check posts in these areas. On the way, Shri Negi intercepted an ULFA activist near Rowmaria and took the activist in his car. On the way back to Dibrugarh at a point between Mohanbari and Lahowal, the ULFA activist suddenly started grappling with Shri Negi in a bid to escape from the car. There was fierce struggle between the ULFA activist and Shri Negi, who did not allow the activist to escape from the car. While struggle was going on between Shri Negi and the ULFA activist inside the car, the car was attacked from behind near the Lahowal petrol pump by ULFA assailants travelling in a vehicle and carrying automatic weapons. While the assailants were continuously firing at the car, Shri Negi and Havildar Joy Ram Das returned the fire while pinning down the ULFA activist inside the car. Driver Nirmal Neog tried to take out the car from the firing range of the assailants but several bullets hit him, as a result he lost control of the vehicle. Taking advantage of this, the assailants fired at Shri Negi, Driver Nirmal Neog and Havildar Joy Ram Das from point blank range and all the three died on the spot.

In this encounter Shri Daulat Singh Negi, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5 with effect from the 29th July, 1990.

No 97 Pres/90—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the under-mentioned officers of the Assam Police—

*Names and rank of the Officers*

Shri Joy Ram Das (Posthumous)  
Havildar (PSO),  
2nd A.P. Battalion  
Makum, Assam  
Shri Nirmal Neog  
Driver Naik 415  
DET Dibrugarh  
Assam

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 29th July 1990 Shri Daulat Singh Negi, Superintendent of Police, Dibrugarh received information regarding movement of an active member of ULFA in Rowmaria, Lahowal, Chabua, Kanjikhowa and Tangakhat of Dibrugarh Distt. Shri Daulat Singh Negi accompanied by his personal Security Officer Havildar Joy Ram Das

and Driver (Naik) Nirmal Neog immediately left to personally supervise the Police check-posts in these areas. On the way, Shri Negi intercepted an ULFA activist near Rowmaria and took the activist in his car. On the way back to Dibrugarh at a point between Mohanbari and Lahowal, the ULFA activist suddenly started grappling with Shri Negi in a bid to escape from the car. There was fierce struggle between the ULFA activist and Shri Negi who did not allow the activist to escape from the car. While struggle was going on between Shri Negi and the ULFA activist inside the car, the car was attacked from behind near the Lahowal petrol pump by ULFA assailants travelling in a vehicle and carrying automatic weapons. While the assailants were continuously firing at the car, Shri Negi and Havildar Joy Ram Das returned the fire while pinning down the ULFA activist inside the car. Driver Nirmal Neog tried to take out the car from the firing range of the assailants but several bullets hit him, as a result he lost control of the vehicle. Taking advantage of this, the assailants fired at Shri Negi, Driver Nirmal Neog and Havildar Joy Ram Das from point blank range and all the three died on the spot.

In this encounter Shri Joy Ram Das, Havildar and Shri Nirmal Neog, Driver Naik 415, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them special allowance admissible under rule 5 with effect from the 29th July, 1990.

A K UPADHYAY, Dir.

## PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 5th November 1990

## RESOLUTION

No M 13043/12 (X)/87-Agr—It has been decided that Dr H G Shankaramurthy, Professor and Head, Division of Agricultural Marketing and Cooperation, College of Agriculture, University of Agricultural Sciences, Dharwad-Karnataka will be Member-Secretary, in place of Dr C Arputharaj, Deputy Director, Agro Economic Research Centre, University of Madras, Chepauk, Triplicane, Madras-600005, of Agro-climatic Zonal Planning Team for Southern Plateau and Hills region constituted vide Government of India, Planning Commission Resolution No M-13043/12/87-Agr dated 3-6-1988 with immediate effect.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution by communicated to the Chairman and Members of the Planning Team, all concerned Ministries and Departments of State Governments and Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

I S AHLUWALIA, Director Administration

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE  
(LEGISLATIVE DEPARTMENT)

New Delhi the 29th October 1990

## RESOLUTION

No F 4(2)/88 O.L.—In continuation of the Ministry of Law & Justice Resolutions No 1(2) 88 O.L. dated the 8th September 1989 & 14th June 1990 the Government of India have decided that the following names may be added as members of the Hindi Sahitya Samiti of the Ministry of Law and Justice.

1. Shri Sushma Swamy, Member Rajya Sabha
2. Shri Ram Prasad Chaudhary, Member Lok Sabha

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

Prime Ministers Office/Cabinet Secretariat/Department of Parliamentary Affairs/Lok Sabha Secretariat/Rajya Sabha Secretariat/Planning Commission/President's Secretariat/Director of Audit, Central Revenues, New Delhi and all Ministries/Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. L. MATHURIA, Jt. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS  
(DEPARTMENT OF PETROLEUM AND NATURAL GAS)

New Delhi, the 12th November 1990

## ORDER

SUB: Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Saurashtra Offshore Extension I, area measuring 3170 Sq. kms.

No. O-12012/4/90-ONG.D.4.—In exercise of the power conferred by clause (i) of sub-rule (1) of Rule 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehradun (herein after referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for Petroleum for four years from the date of issue of this order for Saurashtra offshore Extension I area measuring 3170 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of licence is subject to the terms and conditions mentioned below :—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged :
  - (i) Rs. 192/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
  - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Department of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and Natural Gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the

following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence :—

- (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second years of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two month's notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

## SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Saurashtra Offshore Extension-I area measuring 3170 sq. kms.

Point	Longitude	Latitude
G	20°-19'-00"	70°-15'-00"
B	20°-19'-00"	70°-40'-00"
C	19°-40'-00"	70°-40'-00"
D	19°-40'-00"	70°-15'-00"

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof  
Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year :

## A—Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B—Casing-head condensate

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government.	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C—Natural Gas

Total No. of cubic metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government.	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri.....do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

.....  
(Signature)

By order and in the name of the President of India.

M. MARTIN, Desk Officer

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

New Delhi, the 26th October 1990

No. E-11017/3/90-Hindi.—In partial modification of the Ministry of Steel and Mines, Department of Mines's Resolution No. E-11017/5/88-Hindi dated 31 October, 1988 and 17 November, 1988, Shri R. N. Tiwari is nominated as an ad-hoc non-official member of the Hindi Salahakar Samiti of the Department of Mines.

M. L. MAZUMDAR, Joint Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 6th November 1990

## RESOLUTION

Sub . National Book Development Council—setting up of

No. F. 7-10/85-BP. II.—The Ministry of Human Resource Development, Department of Education, Government of India, had set up a National Book Development Board in 1967 to lay down guidelines for the development of the book industry in the context of the overall requirements of the country. The Board was subsequently reconstituted in 1970 and functioned until February 1974. A new body called the National Book Development Council was set up on 15th September, 1983 and functional till 30th September, 1986.

2. The Government of India have now decided to revive the National Book Development Council which will have the following constitution and functions :

## 3. FUNCTIONS OF THE COUNCIL

The functions of the National Book Development Council will be :—

- (i) To review the progress of book publishing in the country and to advise the Government regarding :
  - (a) measures for the development of the book industry and trade, including the export of books;
  - (b) measures to promote the availability, in particular, of special-purpose books of good quality required for implementation of the policy on education (including children's books required under Operation Blackboard and for Non-Formal Education Centres, books for the National Literacy Mission, and books for the secondary and University levels etc.);
  - (c) measures for improving the quality of book production and dissemination of the relevant skills.
- (ii) To advise the Government regarding measures to safeguard the interests of authors, with a view to encouraging authorship, particularly in Indian languages.
- (iii) to advise the (Central) Government on such matters or to perform such other functions as are referred to it by the Government.

## 4. HEADQUARTERS AND SECRETARIAT OF THE COUNCIL

The Headquarters of the Council shall be at New Delhi and its Secretariat will be provided by the Book Promotion & Copyright Division in the Department of Education, Ministry of Human Resource Development.

## 5. COMPOSITION OF THE COUNCIL

The National Book Development Council will have the following composition :—

(1) Chairman : Minister of State in charge of Education, Ministry of Human Resource Development.

(2) Vice-Chairman : Chairman, National Book Trust.

*Officials (ex-officio)*

- (3) Education Secretary.
- (4) Secretary, Department of Industrial Development (or his nominee—not below the level of Joint Secretary).
- (5) Commerce Secretary (or his nominee—not below the level of Joint Secretary).
- (6) Secretary, U.G.C.
- (7) President, Sahitya Akademi.
- (8) Additional Secretary, Department of Education
- (9) Director, N.C.E.R.T.

*Publishers' Associations (Five)*

- (10) President, Federation of Publishers and Booksellers' Associations in India.
- (11) President, Federation of Indian Publishers.
- (12) President, Federation of Educational Publishers.
- (13) Chairman, Book Panel, CAPEXIL.
- (14) President, Akhil Bhartiya Hindi Prakashak Sangh

*Publishers (Six)*

- (15) Ms. Ritu Menon, Kali for Women, A-36, Gulmohar Park, New Delhi-110049 (an innovative women's publisher).
- (16) Shri Tajeswar Singh, Managing Director, Sage Publications India Pvt. Ltd. (English).
- (17) Shri Samuel Israel, 9, Bandstand Apartments, 212, Byramji Tejabhai Road, Bandra, Bombay.
- (18) Shri P. P. C. Joshi, General Manager, People's Publishing House.

(19–20) Two more publishers to be nominated later.

*Voluntary Agencies (Three)*

- (21) Shri Krishna Kumar, Kerala Shashtra Sahitya Parishad, Vanchyoor, Trivandrum.
- (22) Shri Jitendra Desai, General Manager, Navjivan Trust, P.O. Navjivan, Ahmedabad.
- (23) One more representative of a voluntary agency, to be nominated later.

*Author (Five)*

- (24) Secretary General, Authors Guild of India.
- (25) Secretary General, National Federation of Progressive Writers.
- (26) Shri K. S. Duggal, P-7, Hauz Khas, New Delhi-16. (Punjabi)
- (27) Shri Ali Sardar Jafri, 10 Seeta Mahal, Bomanji Pelit Road, Bombay-36 (Urdu).
- (28) One more author to be nominated later.

*Libraries*

- (29) The President, Indian Libraries' Association.
- (30) Director, National Library, Calcutta.

*Member-Secretary*

- (31) Joint Secretary (Book Promotion), Department of Education.

# 6 TENURE OF MEMBERS

The term of the National Book Development Council shall be three years. The tenure of the Chairman and each member of the Council, other than ex officio members, shall normally be three years, unless a shorter or longer term is indicated, but he will be eligible for re-appointment. Where a member of the Council becomes a member by reason of the office or appointment he holds, his membership of the Council shall terminate when he ceases to hold that office or appointment. All casual vacancies among the members (other than ex-officio members) shall be filled by the authority or body who nominated the member whose place has fallen vacant and the person appointed to a casual vacancy shall be a member of the Council for the residue of the term for which the person whose place has been filled would have been a member.

# 7 MEETINGS AND SUB-COMMITTEES

The Council shall meet at least once in a year. The Council may set up Committees/Panels for specific purposes which may meet as frequently as required.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments and Administrations of Union Territories, all Ministries of the Government of India and their Departments, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Planning Commission.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

R. N. TIWARI  
Director (BP)

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 29th October 1990

## RESOLUTION

No 15/12/88-IP&MC CIS—In continuation of this Ministry's Resolution of even number dated 28th February, 1989 regarding the constitution of a Committee to review the performance of the IIMC, New Delhi under the Chairmanship of Prof. M. N. Srinivas, Government is pleased to extend the term of the Committee upto 31st December 1990.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Chairman/Members of the Committee, all Ministries and Departments of the Government of India, AGCR/DACR, New Delhi.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

IMTIAZ A. KHAN, Jt Secy

## MINISTRY OF TOURISM

New Delhi-110001, the 13th September 1990

## RESOLUTION

No E-11016(11)/89-Hindi—At serial No. 9 of Resolution dated 30.5.1990 of the Ministry of Tourism the address of a Non-Official member, Shri Surendra Pratap Singh was written as under:—

149, Vaishali, Pitam Pura  
New Delhi

In place of the above address the revised address is as under:

Executive Editor,  
Navbharat Times,  
Times House,  
7, Bahadurshah Zafar Marg  
New Delhi-110 002

2. The undermentioned scholar is nominated to the Hindi Salahakar Samiti of Ministry of Tourism as a Non-Official member:—

Dr Surendra Nath Singh  
149, Vaishali,  
Pitampura New Delhi

3. Besides, the following changes are effected in the membership of Hindi Salahakar Samiti constituted vide above referred resolution:—

Shri Dinesh Trivedi, M.P. (Rajya Sabha) will be the member of the samiti.

In place of

Shri J. P. Javali, M.P. (Rajya Sabha) who has resigned from the membership of the Samiti.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Govts. and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Comptroller & Auditor General of India and all the Ministries/Departments of Govt. of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. K. GOSWAMI,

Director General of Tourism & ex-officio  
Additional Secretary to the Govt. of India

